

# NASREEN'S SECRET SCHOOL

A TRUE STORY FROM AFGHANISTAN

Jeanette Winter

## नसरीन का गोपनीय स्कूल

अफगानिस्तान की एक सच्ची कहानी

जेयानेट विंटर, हिंदी: विदूषक





**Young Nasreen has not spoken a word to anyone since her parents disappeared.**

**In despair, her grandmother risks everything to enroll Nasreen in a secret school for girls. Will a devoted teacher, a new friend, and the worlds she discovers in books be enough to draw Nasreen out of her shell of sadness?**

**Based on a true story from Afghanistan, this inspiring book will touch readers deeply as it affirms both the life-changing power of education and the healing power of love.**

अपने अम्मी-अब्बू के गायब होने के बाद से छोटी नसरीन ने बोलना बंद कर दिया.

परेशान होकर उसकी दादी उसे लड़कियों के, एक गोपनीय स्कूल में दाखिल करती हैं. क्या एक निष्ठावान टीचर, कोई नया दोस्त, और किताबों से सीखा ज्ञान नसरीन को, उसके गहरे दुःख से उबार पायेगा?

यह प्रेरक कहानी, अफगानिस्तान की एक सच्ची घटना पर आधारित है. यह कहानी पाठकों के दिल के ज़रूर छुएगी. फिर वे परिवर्तन में शिक्षा, और उपचार में प्रेम के महत्व को, बेहतर समझ पाएंगे.



**To the courageous women and girls of Afghanistan**

**अफगानिस्तान की सभी साहसी  
महिलायों और लड़कियों को समर्पित**

## **Author's Note**

The Global Fund for Children, a nonprofit organization committed to helping children around the world, contacted me about basing a book on a true story from one of the camps they support.

I was immediately drawn to an organization in Afghanistan that founded and supported secret schools for girls during the 1996-2001 reign of the Taliban.

The founder of these schools, who requested anonymity, shared the story of Nasreen and her grandmother with me. Nasreen's name has been changed.

Before the Taliban seized control of Afghanistan,

- 70% of the schoolchildren were women
- 40% of the doctors were women
- 50% of the students of Kabul University were women

After the Taliban seized control of Afghanistan,

- Girls weren't allowed to attend school or university
- Women weren't allowed to work outside the home
- Women weren't allowed to leave home without a male relative as chaperon
- Women were forced to wear a burqa that covered their entire head and body,

with only a small opening for their eyes.

There was no singing or dancing or kite flying. Art and culture, in the birthplace of the immortal poet Rumi was banished. The colossal Bamiyan Buddhas, carved into the side of the mountain, was destroyed. Years of isolation and fear had begun.

But there was also bravery from citizens who defied the Taliban in many ways, including supporting the secret school for girls.

Even now, after the fall of the Taliban in Afghanistan in 2001, danger remains.

Still, schools are bombed, set on fire, and closed down. Still, there are death threats to teachers.

Still, girls are attacked or threatened if they go to school.

And STILL, the girls, their families, and their teachers defy the tyranny by keeping the schools open.

Their courage has never wavered.

## लेखक का नोट

ग्लोबल फण्ड फॉर चिल्ड्रेन, एक गैर-व्यवसायी संस्थान है, जो दुनिया भर में बच्चों की सहायता करती है। इस संस्थान ने मुझे एक सच्ची घटना पर कहानी लिखने का न्योता दिया। उन्होंने ही इस स्कूल की मदद की थी।

तुरंत मेरी रुचि, अफगानिस्तान की इस अनूठी संस्थान में जगी। यह संस्थान 1996 - 2001 तक तालिबान के राज्य में, लड़कियों के लिए गोपनीय स्कूल चलाने का काम करती थी।

इस स्कूल के संस्थापकों ने अपना नाम-पता गुप्त रखते हुए मुझे नसरीन और उसकी दादी की कहानी सुनाई। कहानी में मैंने, नसरीन के नाम को भी बदला।

तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्ज़ा किए जाने से पहले वहां पर :

- स्कूलों में 70% संख्या लड़कियों की होती थी
- 40% डॉक्टर, महिलाएं होती थीं
- काबुल यूनिवर्सिटी में 50% छात्र, महिलाएं थीं

तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्ज़ा किए जाने के बाद वहां पर :

- लड़कियों के स्कूल और कॉलेज में पढ़ने पर पाबंदी लगी
- औरतें, घर से बाहर काम करने, नहीं कर सकती थीं
- महिलाएं किसी पुरुष को साथ लिए बिना, घर से बाहर नहीं जा सकती थीं
- महिलाओं को बुरका पहनने के लिए मजबूर होना पड़ा। सिर से लेकर पैर तक, उनका पूरा शरीर ढंका होना ज़रूरी था। सिर्फ देखने के लिए आंखों के पास दो छेदों की इज़ाज़त थी।

लड़कियों के लिए संगीत, नाच और पतंगबाजी पूरी तरह बंद हो गयी। प्रसिद्ध कवि रूमी के देश में, कला और संस्कृति पर, पूरी तरह से पाबन्दी लगी। पहाड़ी में तराशे गए प्राचीन और विशाल बामियान बुद्ध के, स्तूपों को ध्वस्त कर दिया गया। आने वाले दशकों के लिए लोगों के दिलों में, अलगाव का डर बैठ गया था।

पर इन हालातों में भी साधारण लोगों ने असाधारण साहस का परिचय दिया और तालिबान के साथ लोहा लिया। उन्होंने ही लड़कियों के लिए गोपनीय स्कूल स्थापित किए।

2001 के बाद तालाबान का सफाया हुआ, पर आज भी वहां पर खतरा मौजूद है। आज भी स्कूल बंद किए जा रहे हैं, जलाये जा रहे हैं और उनपर बम्ब फेंके जा रहे हैं। शिक्षकों के सिर पर अभी भी मौत का साया मंडरा रहा है। आज भी जब लड़कियां स्कूल जाती हैं तो पहले उन्हें डराया जाता है फिर उनपर कातिलाना हमले होते हैं।

उसके बावजूद लड़कियों और औरतों ने इस अत्याचार का सामना किया और स्कूल खुले रखे।

उनकी हिम्मत की दाद देनी होगी।



**My granddaughter, Nasreen, lives with me in Herat, an ancient city of Afghanistan.**

**Art and music and leaning once flourished here.**

मेरी पोती नसरीन मेरे साथ हेरात में रहती है. हेरात, अफगानिस्तान का एक बहुत पुराना शहर है.

एक ज़माने में इस शहर में कला, संगीत और शिक्षा का बोलबाला था.



**Then the soldiers came and changed everything.**

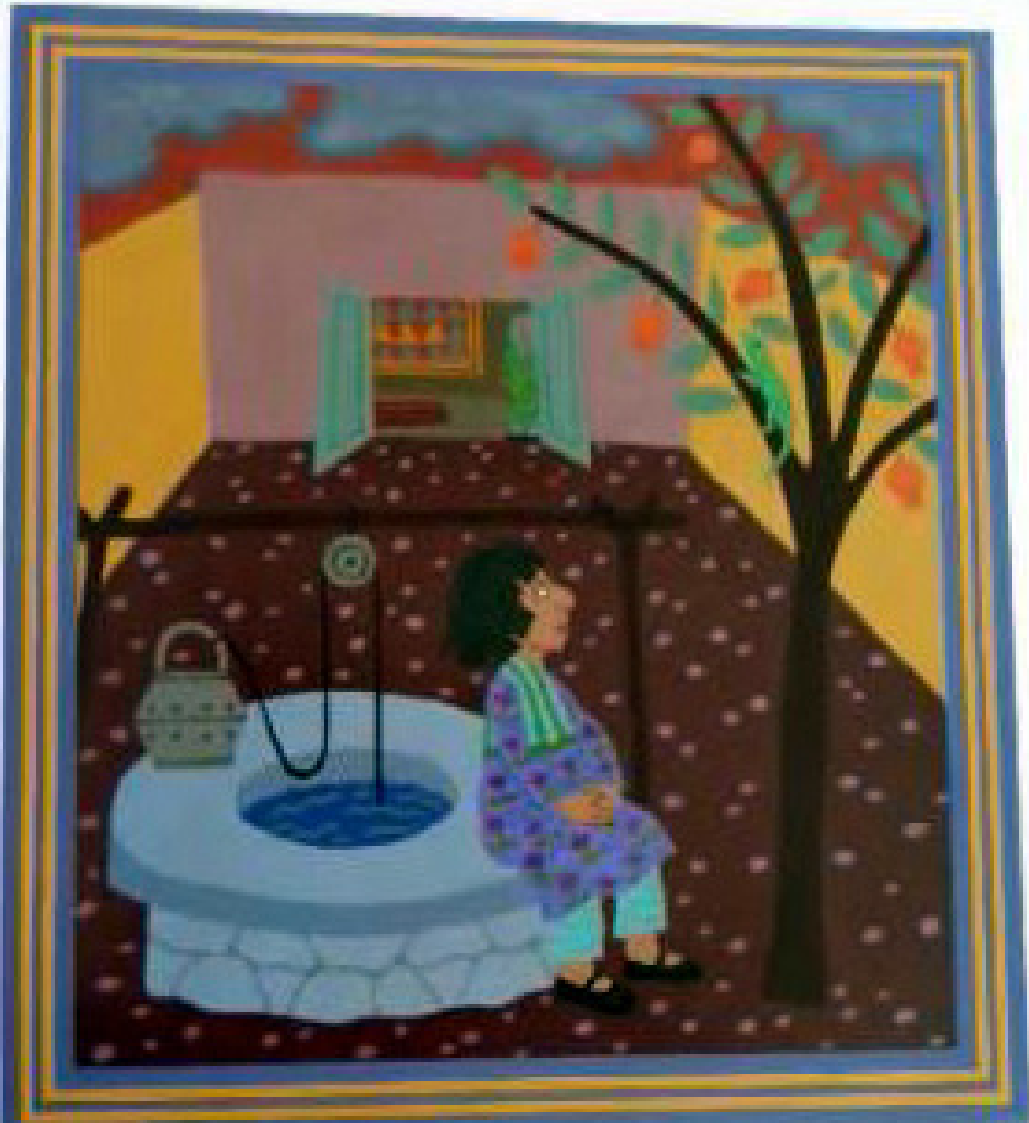
**The art and music and learning are gone.**

**Dark clouds hang over the city.**

उसके बाद फौजी आए और फिर सब कुछ बदल गया.

कला और संस्कृति और पढाई सब पूरी तरह ठप्प हो गयी.

फिर शहर के ऊपर अज्ञानता का काला बादल छा गया.



**Poor Nasreen sat at home all day, because girls are forbidden to attend school. The Taliban soldiers don't want girls to learn about the world, the way Nasreen's mama and I learned when we were girls.**

बिचारी छोटी नसरीन दिन भर घर पर बैठी रहती, क्यूंकि लड़कियों के स्कूल जाने पर पाबन्दी थी. तालिबान के फौजी नहीं चाहते थे कि लड़कियां दुनिया-जहाँ के बारे में कुछ सीखें. वैसे नसरीन की माँ और मेरे ज़माने में लड़कियों को स्कूल जाने, सीखने की पूरी छूट थी.





**One night, soldiers came to our house**

**एक दिन कुछ सैनिक हमारे घर पर आये.**



**and took my son away, with no explanation.**

**वो बिना कुछ बताये, मेरे बेटे को पकड़ कर ले गए.**



**We waited many days and nights for his return.**

**हम लोग बहुत दिनों तक उसकी वापसी का इंतज़ार करते रहे.**



**Finally Nasreen's frantic mama went searching for him, even though going out alone in the streets was forbidden for women and girls.**

बाद में हारकर नसरीन की माँ ने अपने पति को खोजने का निर्णय लिया. वैसे महिलायों और लड़कियों के अकेले सड़क पर निकलने पर सख्त मनाही थी.



**The full moon passed our window many times as Nasreen and I waited.**

बस नसरीन और मैं, घर पर बैठे इंतज़ार करते रहे. पूरा चाँद खिड़की से कई बार दिखा, और फिर आँझल हो गया.



**Nasreen never spoke a word. She never smiled. She just sat, waiting for her mama and papa to return. I knew I had to do something.**

नसरीन की जुबान पर ताला लग गया. वो न तो मुस्कुराई और न ही एक शब्द बोली. वो बस अपने अब्बू-अम्मी ने लौटने का इंतज़ार करती रही. तब मुझे लगा कि मुझे उसके लिए कुछ करना ही होगा.



**I had heard whispers about a school, a secret school for girls, behind a green gate in a nearby lane. I wanted Nasreen to attend this secret school. I wanted her to learn about the world, as I had. I wanted her to speak again.**

मैंने लड़कियों के लिए एक गोपनीय स्कूल के बारे में सुना था. वो पास ही की गली में, एक हरे गेट के पीछे चलता था. मैं चाहती थी कि नसरीन इस गोपनीय स्कूल में जाकर पढ़े. मैं चाहती थी कि नसरीन भी, मेरे जैसे, पूरी दुनिया-जहाँ के बारे में जाने-समझे. मैं चाहती थी कि नसरीन दुबारा बोलना शुरू करे.



**So one day, Nasreen and I hurried down the lanes until we came to the green gate. Luckily, no soldier saw us**

एक दिन मैं नसरीन को जल्दी-जल्दी वहां लेकर गयी. कुछ देर में हम उस हरे गेट के सामने पहुंचे. भाग्यवश, किसी फौजी ने हमें देखा नहीं.





**I tapped lightly. The teacher opened the gate and we quickly slipped inside.**

**मैंने हलके से दस्तक दी. एक टीचर ने गेट खोला और हम जल्दी से उसके अन्दर घुस गए.**



**We crossed the courtyard to the school .... One room in a private house filled with girls.**

**हम आँगन पार करके स्कूल में पहुंचे ... निजी घर में वो कमरा, लड़कियों से खचाखच भरा था.**



**Nasreen took a place at the back of the room. Please Allah, open her eyes to the world. I pray as I left her there.**

नसरीन उस कमरे में पीछे की ओर बैठ गई. हे अल्लाह! दुनिया के ज्ञान के लिए इस लड़की की आँखें खोल! स्कूल छोड़ते वक़्त मैंने नसरीन के लिए मिन्नत मांगी.



**Nasreen didn't speak to the other girls. She didn't speak to the teacher. At home, she remained silent.**

नसरीन दूसरी लड़कियों से कुछ नहीं बोली. वो टीचर से भी कुछ नहीं बोली. घर पर भी नसरीन बिलकुल चुप रहती.



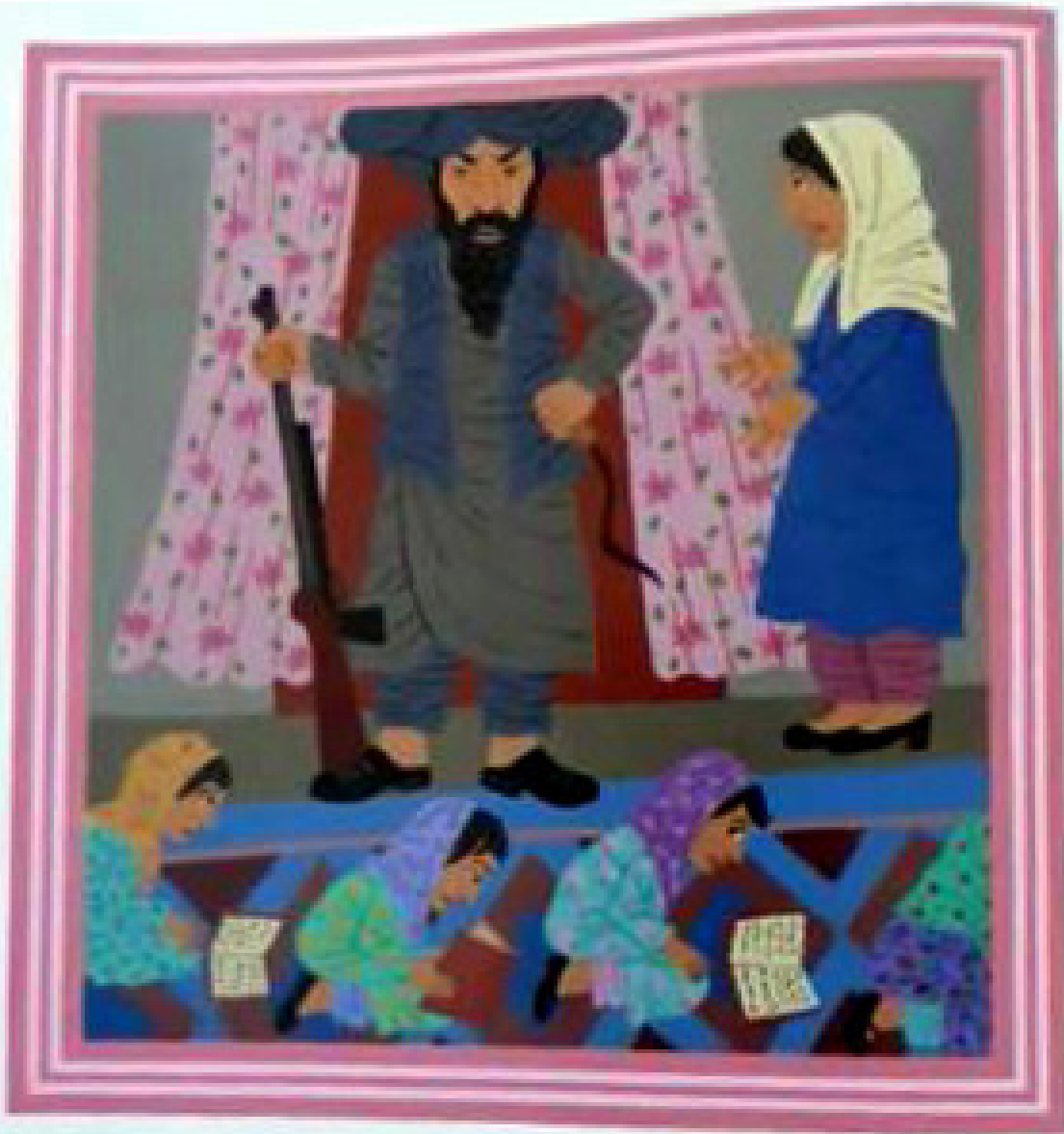
**I was fearful that the soldiers would discover the school. But the girls were clever. They slipped in and out of the school at different times so as not to arouse suspicion. And when the boys saw the soldiers near the green gate, they distracted them.**

मुझे डर था कि कहीं सैनिक उस स्कूल को खोज न निकालें. परन्तु लड़कियां बहुत होशियार थीं. कोई शक न हो इसलिए वे स्कूल से एक-साथ नहीं, अलग-अलग समय पर बाहर निकलती थीं. जब लड़के सैनिकों को गेट के पास खड़ा देखते, तो वो भी उनका ध्यान इधर-उधर बंटते.



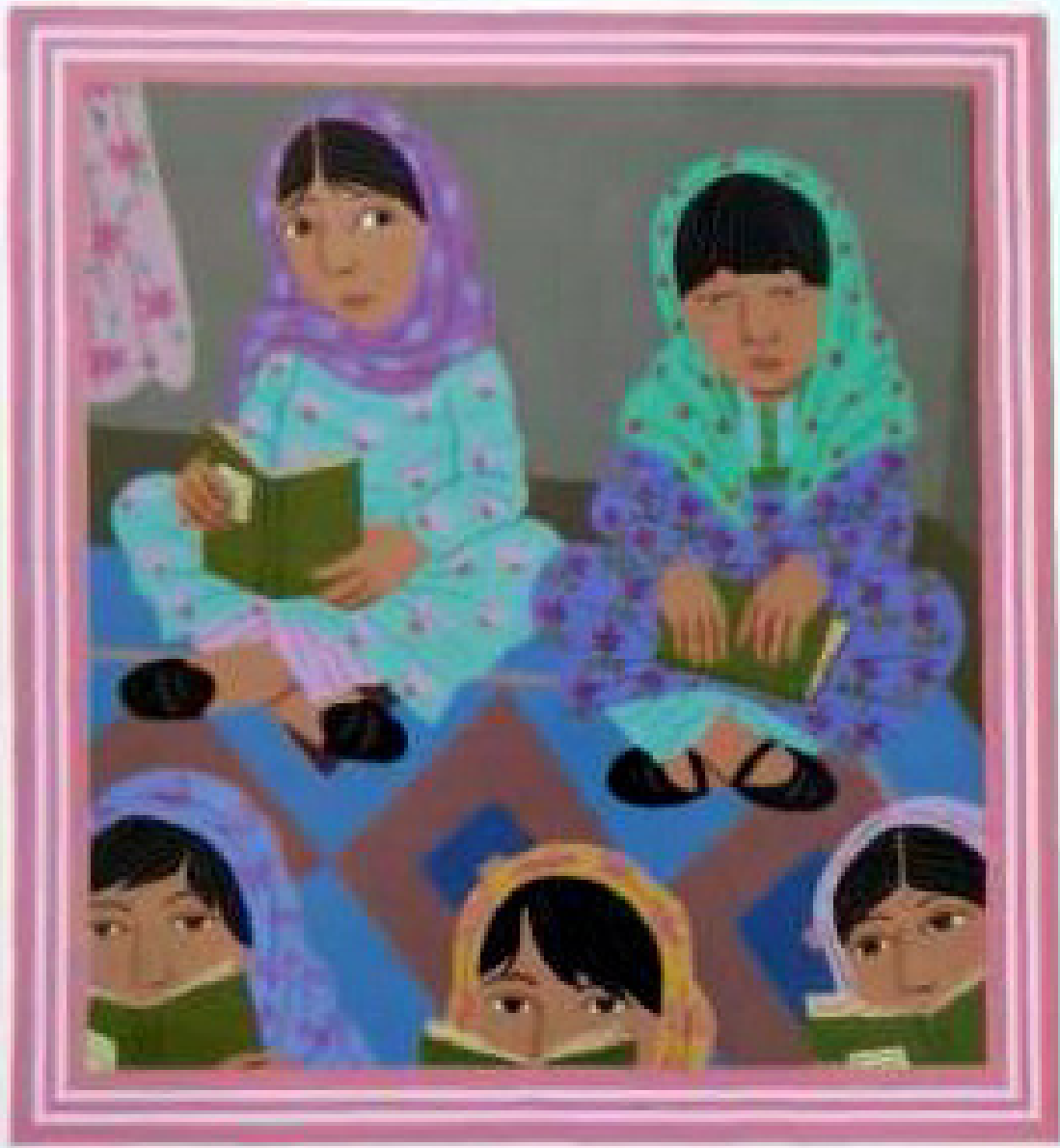
**I heard of a soldier who pounded on the gates demanding to enter.**

मैंने उस फौजी के बारे में भी सुना जिसने स्कूल के अन्दर घुसने की जिद्द की.



**But all he found was a room filled with girls reading the Koran, which was allowed. The girls had hidden their schoolwork, outwitting the soldier.**

पर उसे अन्दर क्या दिखा? उसे अन्दर बहुत सी लड़कियां कुरान पढ़ती दिखाई दीं. लड़कियों को कुरान पढ़ने की इजाज़त थी. लड़कियों ने स्कूल की किताबें जल्दी से छिपाकर, सैनिक को अच्छा चकमा दिया था.



**One of the girls, Mina, sat next to Nasreen every day. But they never spoke to each other. While the girls were learning Nasreen stayed inside herself.**

उनमें से एक लडकी मीना, रोजाना नसरीन के पास बैठती थी. वो दोनों एक-दूसरे से कभी बातें नहीं करती थीं. बाकी लड़कियां सीखती थीं, पर नसरीन अपने ही ख्यालों में खोई रहती थी.





**When school closed for the long winter recess, Nasreen and I sat by the fire. Relatives gave us what food and firewood they could spare. We missed her mama and my son more than ever. Would we ever know what had happened?**

जब स्कूल, सर्दियों की लम्बी छुट्टियों के लिए बंद हुए तब मैं और नसरीन, घर में ही अंगीठी के पास बैठे रहते. हमारे रिश्तेदार हमें बचा खाना और जलाऊ लकड़ी दे जाते. नसरीन की अम्मी और मेरे बेटे की हमें बहुत याद आती. उनका क्या हश्र हुआ, क्या हम कभी जान पाएंगे?



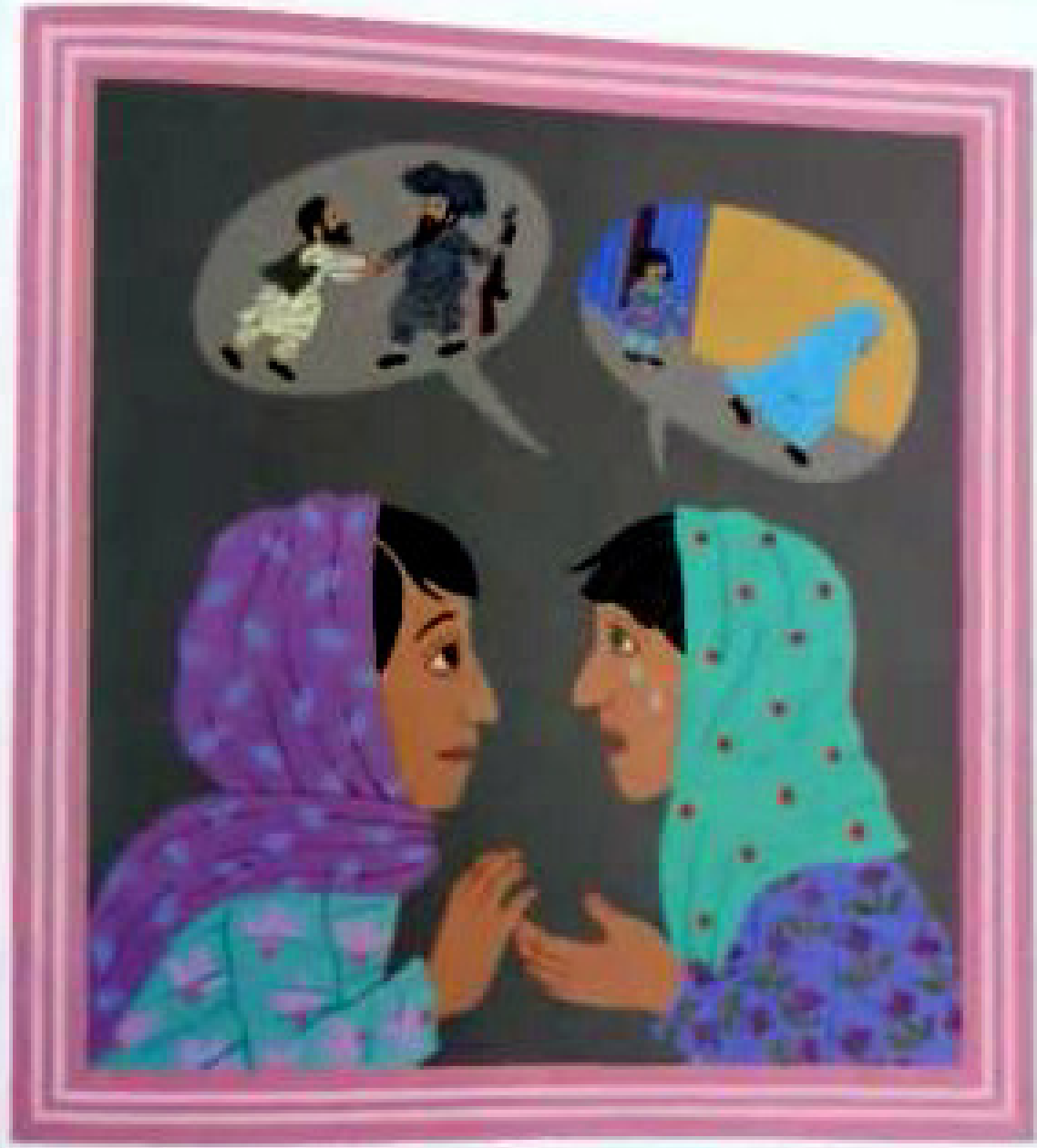
**The day Nasreen returned to school, Mina whispered in her ear.**

**जिस दिन नसरीन स्कूल वापिस गयी, उस दिन मीना ने उसके कान में कुछ फुसफुसाया.**



**And Nasreen answered back.**

**और नसरीन ने तुरंत उसका जवाब दिया.**



**With these words, her first since her mama went searching, Nasreen opened her heart to Mina.**

अपनी अम्मी के जाने के बाद, नसरीन के मुंह से पहली बार कोई शब्द बाहर निकला था. पहली बार उसने मीना के सामने अपना कलेजा उड़ेला था.



**And she smiled for the first time since her papa was taken away.**

**अपने अब्बू के जाने के बाद, नसरीन पहली बार मुस्कुराई थी.**



**At last, little by little, day by day, Nasreen learned to read, to write, to add and subtract.**

उसके बाद, धीरे-धीरे, हर दिन, नसरीन लिखना-पढ़ना, जोड़ना और घटाना सीखने लगी.



**Each night she showed me what she had discovered that day.**

**दिन में जो कुछ नसरीन सीखती, वो रात को मुझे बताती.**



**Windows opened for Nasreen in that little schoolroom.**

उस छोटे स्कूल ने, नसरीन के दिमाग की खिड़की खोली.





**She learnt about the artists and writers and scholars and mystics who, long ago,**

स्कूल में नसरीन ने, चित्रकारों, लेखकों, विद्वानों और कवियों के बारे में सीखा.



**made Herat beautiful.**

अतीत में, इन लोगों ने ही, हेरात को एक सुन्दर शहर बनाया था.



**Nasreen no longer feels alone. The knowledge she holds inside will always be with her, like a good friend.**

नसरीन अब खुद को अकेला नहीं महसूस करती है. जो तालीम उसने पाई है वो एक अच्छे दोस्त की तरह, हमेशा उसके साथ रहेगी.



**Now she can see blue sky beyond those dark clouds.**

**अब नसरीन काले बादलों के परे, नीले आसमान को देख पाती है.**



**As for me, my mind is at ease. I will wait for my son and his wife. But the soldier can never close the window that have opened for my granddaughter.**

जहाँ तक मेरा सवाल है, मेरा मन अब शांत है. मैं अपने बेटे और उसकी पत्नी का इंतजार करूंगी. पर मेरी पोती के ज्ञान की खिड़की को अब, फौजी कभी बंद नहीं कर पाएंगे.



**Jeanette Winter** lives in New York City, where she has written and illustrated many books for children based on true-life stories, including the highly acclaimed *Mama, Wangari's Trees of Peace* and *The Librarian of Basra*, which was an ALA Notable Children's Book and a winner of the Bank Street College of Education's Elora Stieglitz Straus Award.

**जियानेट विंटर** न्यू यॉर्क सिटी में रहती हैं। उन्होंने असली ज़िन्दगी पर आधारित, बच्चों की अनेकों किताबें लिखीं हैं और उनके चित्र बनाये हैं। उनकी प्रसिद्ध पुस्तकें हैं *मामा, वंगारीस ट्रीज ऑफ़ पीस* और *द लाइब्रेरियन ऑफ़ बसरा*। उन्हें अपनी पुस्तकों के लिए अनेकों पुरस्कार मिले हैं।

## **The GLOBAL FUND FOR CHILDREN**

**([www.globalfundforchildren.org](http://www.globalfundforchildren.org)) is a nonprofit organization committed to advancing the dignity of children and youth around the world. The Global Fund for Children pursues its mission by making small grants to innovative community-based organizations working with some of the world's most vulnerable children and youth.**

**द ग्लोबल फण्ड फॉर चिल्ड्रेन ([www.globalfundforchildren.org](http://www.globalfundforchildren.org))**

**एक गैर-व्यवसायी संस्थान है जो दुनिया भर में बच्चों और युवकों के सम्मान के लिए कार्य करती है। यह संस्थान, समुदाय आधारित छोटे ग्रुप्स को नवाचार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती है जिससे दुनिया के सबसे असुरक्षित बच्चों को, उसका फायदा पहुंचे।**